

रॉबर्ट वैनॉय, प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 26--ईजेकील #2 ईजेकील 30 - मिस्र के खिलाफ भविष्यवाणी [मेम्फिस और थेब्स]

यहेजकेल 30:13 मिस्र के विरुद्ध भविष्यवाणी [मेम्फिस]

आइए यहेजकेल अध्याय 30 की ओर आगे बढ़ें। श्लोक 13, " प्रभु यहोवा यह कहता है: 'मैं मेम्फिस में मूर्तियों को नष्ट कर दूंगा और मूर्तियों को समाप्त कर दूंगा। मिस्र में फिर कोई प्रधान न रहेगा, और मैं सारे देश में भय फैलाऊंगा। मैं ऊपरी मिस्र को उजाड़ दूंगा, ज़ोअन में आग लगा दूंगा और थेब्स को सज़ा दूंगा। मैं मिस्र के गढ़ पेलुसियम पर अपना क्रोध भड़काऊंगा, और थेब्स की भीड़ को नष्ट कर दूंगा। मैं मिस्र में आग लगाऊंगा; पेलुसियम पीड़ा से छटपटाएगा। थेब्स को तूफ़ान ले जाएगा; मेम्फिस लगातार संकट में रहेगा।"

इसलिए जब हम श्लोक 13 में आगे बढ़ते हैं, तो हम पढ़ते हैं, " मैं मूर्तियों को नष्ट कर दूंगा और मेम्फिस में छवियों को समाप्त कर दूंगा।" मिस्र में अब कोई राजकुमार नहीं रहेगा।" मेम्फिस मिस्र का एक महान शहर था, एक बहुत प्राचीन शहर। यदि आप मिस्र के इतिहास में पीछे जाएँ, तो जब मेनेस ने लगभग 3000 ईसा पूर्व में ऊपरी और निचले मिस्र को मिलाया, तो उसने एक नई राजधानी शहर का निर्माण किया, और उसने इसे मेम्फिस कहा। तो मेम्फिस का इतिहास एकजुट मिस्र की पहली राजधानी के रूप में लगभग 3000 ईसा पूर्व तक जाता है। यह पूरे मिस्र के इतिहास में मिस्र के सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण शहरों में से एक था। 3000 ईसा पूर्व से यह या तो राजधानी थी या सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक थी।

यहाँ यहेजकेल आता है और कहता है, "मैं मूर्तियों को नष्ट कर दूंगा और मेम्फिस से उनकी मूर्तियाँ खत्म कर दूंगा।" यह एक उल्लेखनीय भविष्यवाणी है। यह रोमन साम्राज्य के समय में यह कहने जैसा है कि मैं रोम से सभी मूर्तियों और छवियों को खत्म कर दूंगा। रोम आज भी इनसे भरा पड़ा है। यह एक उल्लेखनीय भविष्यवाणी है।

मिस्र का राजकुमार लेकिन फिर कविता आगे बढ़ती है और कहती है, "मिस्र का कोई राजकुमार नहीं होगा।" राजा जेम्स कहते हैं, "मिस्र देश का राजकुमार।" तो हिब्रू अनुवाद को देखने पर वस्तुतः

यह मिस्र की भूमि से एक राजकुमार है। मुझे यकीन नहीं है कि किंग जेम्स ने इसका अनुवाद "का" क्यों किया, और यदि आप एनआईवी, आरएसवी और यहां तक कि नए अमेरिकी मानक को देखते हैं, तो वे सभी "मिस्र की भूमि में एक राजकुमार" कहते हैं। जब से यहजेकेल ने भविष्यवाणी की तब से मिस्र देश में सैकड़ों राजकुमार रहे होंगे। मुझे लगता है कि इसे " मिस्र की भूमि से" *पढ़ना अधिक सही है*। विचार यह है कि मिस्र की भूमि से कोई राजकुमार आगे नहीं रहेगा या शासन नहीं करेगा। हमने यशायाह 4 में उसी निर्माण को देखा जहां यह कहा गया है, "वे फिर युद्ध नहीं सीखेंगे।" क्या इसका मतलब यह है कि वे फिर कभी युद्ध नहीं सीखेंगे, या इसका मतलब निरंतरता की कमी है? मुझे लगता है कि यहां निरंतरता की कमी का आशय है। और "मिस्र की भूमि से कोई राजकुमार नहीं रहेगा" का मतलब हमेशा के लिए नहीं है, लेकिन "मिस्र की भूमि से कोई राजकुमार नहीं रहेगा।" आइये ऐतिहासिक दृष्टि से देखें कि क्या होता है।

मिस्र पर राजकुमारों का संक्षिप्त इतिहास नबूकदनेस्सर ने अध्याय 30, श्लोक 10 और 11, भविष्यवाणी के रूप में मिस्रियों पर विजय प्राप्त की। उसने मिस्र में शासन करने के लिए बेबीलोनियों को वहाँ रखा। लेकिन कुछ ही वर्षों बाद, फारसियों ने बेबीलोनियों पर विजय प्राप्त कर ली। फारसियों ने मिस्र में फारसी शासकों को बिठाया। उन्होंने कुछ शताब्दियों तक शासन किया, और फिर सिकंदर महान पूर्व की ओर चला गया और उसने फ़ारसी साम्राज्य पर विजय प्राप्त की और मिस्र में यूनानी शासन स्थापित कर दिया। सिकंदर की मृत्यु हो गई और उसका साम्राज्य चार भागों में टूट गया। टॉलेमी, सिकंदर का सेनापति, मिस्र को कवर करने वाले साम्राज्य के हिस्से को जब्त कर लेता है, और वह ग्रीक है। तो आपके पास मिस्र में सदियों की एक और अवधि के लिए यूनानी शासन है। टॉलेमीज़ ने खुद को फिरोन के रूप में दर्शाया, लेकिन वे यूनानी थे। वे "मिस्र देश के राजकुमार" नहीं थे। यहजेकेल के समय के 600 से अधिक वर्षों के बाद, मिस्र की भूमि से कोई और राजकुमार नहीं रहा। उससे पहले विदेशी शासन अपवाद था। 1750 से 1670 ईसा पूर्व तक हिक्सोस शासन का वह संक्षिप्त अंतराल और फिर लगभग 600 ईसा पूर्व, असीरियन नियंत्रण का एक संक्षिप्त समय था। चार सहस्राब्दियों तक मिस्र के इतिहास में विदेशी शासन अपवाद था।

आप इसे आगे ले जा सकते हैं: यूनानी शासन के बाद, रोमनों ने मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया और उन्होंने लगभग 600 वर्षों तक मिस्र पर शासन किया। तब अरबों ने मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया और अरबों ने मिस्र पर शासन किया, न कि मूल मिस्रवासियों ने। लगभग 1000 ईस्वी में तुर्कों ने मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया और 1850 तक मिस्र पर शासन किया। 1850 में मिस्र ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, और जब उन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा की तब भी तुर्की शासक, राजा फारुक, सत्ता में थे और उनका शासन नासिर की क्रांति तक जारी रहा। तुलनात्मक रूप से हाल के दिनों में। आप उस नासिर पर बहस कर सकते हैं: क्या वह "मिस्र देश का राजकुमार है?" मेरा अनुमान है कि वह मिस्र से अधिक अरब है। निःसंदेह नासिर की मृत्यु हो गई और सादात ने उसकी हत्या कर दी और उसके बाद मुबारक ने उसका उत्तराधिकारी बना लिया। फिर, मुबारक और सादात अरब हैं। शायद हम सादात, नासिर और मुबारक को मिस्रवासी कहना चाहेंगे। लेकिन निश्चित रूप से यहां एक उल्लेखनीय भविष्यवाणी है: मिस्र की भूमि से राजकुमारों का आगे बढ़ना जारी नहीं रहेगा। उस बिंदु से जहां ईजेकील ने यह भविष्यवाणी की है, भले ही मूल मिस्र के शासन का इतिहास दो सहस्राब्दी पुराना है, आपको मिस्र में गैर-मिस्र शासकों के वर्तमान तक उत्तराधिकार मिलता है।

मुझे लगता है कि अरब ऐतिहासिक रूप से वे लोग होंगे जो इश्माएल और एसाव के वंशज थे, और दोनों के वंशजों के बीच आंतरिक विवाह हुए थे। मिस्रवासी हाम से बाहर आते हैं। यदि आप उत्पत्ति 10 में वापस जाते हैं जहां आप नूह के तीन पुत्रों के माध्यम से वंश की रेखा का पता लगाते हैं, तो मिस्रवासी हाम से निकले थे जबकि अरब शेम से निकले थे। अरब लोग ऐतिहासिक रूप से मिस्र की मूल आबादी के साथ इस तरह घुल-मिल गए हैं कि अब यह कहना मुश्किल है कि कौन क्या है। मैं इस बारे में निश्चित नहीं हूँ कि राष्ट्रीयता के हिसाब से नासिर, सादात और मुबारक क्या हैं, लेकिन मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर उन तीन व्यक्तियों की मूल मिस्र की तुलना में अधिक अरब पृष्ठभूमि हो। मूल मिस्रवासी, कॉप्टिक लोग, वास्तव में मूल मिस्रवासी हैं। वहाँ एक कॉप्टिक चर्च है जो अरब नहीं है। यह अधिक ग्रीक उन्मुख है, लेकिन मुझे लगता है कि यह वहाँ के लोगों की तुलना में कॉप्ट्स के बीच अधिक वास्तविक मूल मिस्र वंश है, जो अधिक अरब हैं। अरबी एक ऐसी भाषा है जिसे मिस्र में आयात किया गया था। वह ऐतिहासिक रूप से मिस्र की भाषा नहीं है। वहाँ बहुत सारे

बदलाव हुए हैं.

यहेजकेल 30:14-16 थेब्स के विरुद्ध भविष्यवाणी

यहेजकेल अध्याय 30, श्लोक 14-16: “मैं ऊपरी मिस्र को उजाड़ दूँगा, ज़ोअन में आग लगा दूँगा, और थेब्स को दण्ड दूँगा। मैं मिस्र के गढ़ पेलुसियम पर अपना क्रोध भड़काऊँगा, और थेब्स की भीड़ को नष्ट कर दूँगा। मैं मिस्र में आग लगाऊँगा; पेलुसियम पीड़ा से छटपटाएगा। थेब्स को तूफ़ान ले जाएगा; मेम्फिस लगातार संकट में रहेगा। अब थेब्स शहर, एनआईवी ने इसका अनुवाद "थेब्स" किया, यह ऊपरी मिस्र में मेम्फिस से लगभग 500 मील दक्षिण में एक शहर है। ऊपरी मिस्र दक्षिण है क्योंकि यह नील नदी के ऊपरी, या अधिक ऊँचे क्षेत्र को संदर्भित करता है। वह शहर, श्लोक 14 में कहता है, "मैं थेब्स में न्याय करूँगा," और फिर श्लोक 15 में, "मैं थेब्स की भीड़ को खत्म कर दूँगा।" अब, आज, दो जिले हैं, कर्नाक और लक्सर। यह एक बड़े आउटडोर संग्रहालय की तरह, दुनिया के आश्चर्यों में से एक है। यदि आप मिस्र की यात्रा पर जाते हैं तो वे आपको लक्सर और कार्नेक ले जाएंगे। उस शहर पर 663 ईसा पूर्व में अशूरियों ने कब्ज़ा कर लिया था। यदि आप नहूम 3:8 को देखें तो यह कहता है, "क्या आप थेब्स से बेहतर हैं?" और निस्संदेह नहूम नीनवे के विरुद्ध एक भविष्यवाणी है। थेब्स को पहले ही अशूरियों ने ले लिया था। ईजेकील के बाद कुछ शताब्दियों के भीतर, टॉलेमीज़ के समय में, उस शहर ने टॉलेमी शासन के खिलाफ विद्रोह कर दिया और उस पर टॉलेमीज़ ने हमला कर दिया, और लोगों को भगा दिया गया। टॉलेमीज़ ने निर्णय लिया कि वे इसे फिर से एक प्रमुख शहर के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं देंगे। कुछ लोगों को वहां रहने की अनुमति दी गई, लेकिन वह वास्तव में एक गांव बन गया। 29 ईसा पूर्व में रोमनों ने शहर पर हमला किया और इसका अस्तित्व समाप्त हो गया।

अध्याय 30 श्लोक 16 को देखें, “मैं मिस्र में आग लगा दूँगा और पेलुसियम पीड़ा से छटपटाएगा। थेब्स को तूफ़ान में ले लिया जाएगा।” आज यह शहर खंडहरों का शहर है। एकड़

और एकड़ खंडहर. लेकिन इसकी तुलना मेम्फिस के श्लोक 13 से करें। श्लोक 13, "मैं मेम्फिस में मूर्तियों को नष्ट कर दूँगा और मूर्तियों को खत्म कर दूँगा।" यह थेब्स के बारे में ऐसा नहीं कहता है। यदि ईजेकील ने थेब्स के बारे में ऐसा कहा होता, तो यह स्पष्ट रूप से झूठ होता। यदि आप थेब्स, कर्नाक और लक्सर जाते हैं, तो आप सभी प्रकार की छवियां देखते हैं, उनमें से सैकड़ों। हालाँकि, जब आप मेम्फिस के इतिहास को देखते हैं, तो यह बिल्कुल अलग बात है। ईजेकील के समय के बाद एक हजार वर्षों तक मेम्फिस एक महान शहर बना रहा। यह मिस्र के रोमन प्रांत की राजधानी थी, मिस्र में रोमन सरकार की सीट थी। यह संभवतः लक्सर की तरह छवियों और मूर्तियों से भरा हुआ था। लेकिन अगर आप आज मेम्फिस जाएं तो आपको कोई नहीं मिलेगा। सवाल यह है : "क्यों?" ऐतिहासिक रूप से, जो हुआ वह तब हुआ जब मुसलमानों ने मिस्र सहित पूरे निकट पूर्व पर विजय प्राप्त की; उन्होंने निर्णय लिया कि वे 640 ई. में अपनी राजधानी के लिए एक नया शहर बनाएंगे, वह नया शहर काहिरा था। काहिरा मेम्फिस से लगभग 10 मील की दूरी पर बनाया गया था। जब इसे बनाया गया, तो उन्होंने मेम्फिस के खंडहरों से पत्थर लिए और उनका उपयोग काहिरा के नए शहर के निर्माण में किया। उन्होंने मेम्फिस का उपयोग पत्थर की खदान की तरह किया। मेम्फिस लगभग गायब हो गया। यहां फिर से एक भविष्यवाणी है जहां यहजेकेल कहता है, "मैं मूर्तियों को नष्ट कर दूँगा, और मेम्फिस में छवियों को समाप्त कर दूँगा।"

उद्धरणों के पृष्ठ 48 को देखते हुए, एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के पृष्ठ के मध्य में, मेम्फिस पर लेख: "हेलेनिस्टिक समय में शहर की आबादी 700,000 थी और परिधि 18 मील थी।" वह प्राचीन विश्व का एक बड़ा शहर है। "हेफेस्टस का मंदिर, जैसा कि यूनानियों ने पट्टा कहा था, मेडिकल स्कूल की तरह ही एक बड़ी प्रतिष्ठा का आनंद लेता था। हालाँकि, अलेक्जेंड्रिया की स्थापना के साथ, मेम्फिस और हेलियोपोलिस दोनों का विनाश शुरू हो गया था। उन्हें अरबों द्वारा नष्ट कर दिया गया और काहिरा के मध्यकालीन बिल्डरों ने उनके खंडहरों का इस्तेमाल पत्थर की खदान के रूप में किया। आधुनिक समय में इस महान शहर का शायद ही कुछ बचा है। फ्लिंडर्स पेट्री द्वारा आधी शताब्दी से अधिक समय तक की गई खुदाई में पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय सहित कई स्थानों से बहुत कम अवशेष प्राप्त हुए हैं। आगंतुक जो कुछ भी देख सकता है वह ताड़ के पेड़ों

और खेतों के बीच कुछ पत्थर, एक एलाबस्टर स्फिंक्स और रैमसेस II का एक लेटा हुआ विशालकाय कोलोसस है। फिर से, एक प्रमुख शहर के बारे में एक उल्लेखनीय भविष्यवाणी जो अभी-अभी गायब हो गया है।

इस अध्याय में फिर से आपके सामने एक विरोधाभास है। थेब्स छवियों, मूर्तियों और इमारतों से भरा स्थान बना रहा। यह एक उल्लेखनीय आउटडोर संग्रहालय है। मेम्फिस बस गायब हो गया। यदि यहजेकेल ने कहा होता कि थेब्स से मूर्तियाँ और छवियाँ बंद हो जाएंगी, तो वह गलत होता। लेकिन उन्होंने इसे दूसरे तरीके से रखा। मुझे नहीं लगता कि ईजेकील को इस्लाम के उदय और इस तथ्य के बारे में कुछ भी पता था कि मुसलमान मिस्र में आएंगे और मेम्फिस की पिछली साइट से 10 मील दूर काहिरा का निर्माण करेंगे। वह इस बारे में कुछ नहीं कहते। परन्तु वह कहता है, "मैं मूरतों को नष्ट कर दूंगा, और उनकी मूरतों को बन्द कर दूंगा।" और वास्तव में वही हुआ। अब, निश्चित रूप से भगवान मेम्फिस के खंडहरों से काहिरा के निर्माण की भविष्यवाणी कर सकते थे। लेकिन मुझे लगता है कि आप पूर्वानुमानित भविष्यवाणी के चरित्र के इस मामले में वापस आ गए हैं जहां आपको सभी विवरण नहीं मिलते हैं। यह घटना के बाद लिखे गए इतिहास जैसा नहीं है। तुम्हें इतना मिल जाता है कि जब कोई पूर्ण हो जाए तो तुम कह सको, "हाँ, यही पूर्णता है।" लेकिन जानकारी के कुछ तत्व शामिल नहीं हैं, और मुझे लगता है कि हमारे पास यही है।

थेब्स और मेम्फिस और पूर्ण भविष्यवाणी

यहजेकेल के समय में लोगों को बताया गया था कि नबूकदनेस्सर मिस्र पर विजय प्राप्त करेगा। और उसने वैसा ही किया। मैं सोचता हूँ कि यह यहजेकेल के सच्चे भविष्यवक्ता होने का प्रमाण है। लेकिन इसके साथ मेम्फिस और थेब्स के बारे में ये बयान भी शामिल हैं जो निश्चित रूप से किसी भी मानवीय अपेक्षा या अंतर्दृष्टि की संभावना से परे हैं। यह सिर्फ एक चतुर अनुमान नहीं है। लेकिन यह यहजेकेल का एक कथन है जिसके माध्यम से भगवान बात कर रहे थे और जिसे भगवान ने उन विशेष चीजों का विशिष्ट ज्ञान दिया था जो लंबे समय में मिस्रवासियों के साथ घटित होने वाली थीं। तो फिर, मुझे लगता है कि आपके पास सबूत है कि यहजेकेल ईश्वर का भविष्यवक्ता

था और वह ईश्वर के लिए बोल रहा था। और आपके पास यह भी सबूत है कि ईश्वर ही वह है जो इतिहास पर शासन और नियंत्रण करता है और घटनाओं के घटित होने से पहले ही उन्हें बता सकता है।

विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध न्याय की भविष्यवाणियों पर इस खंड में जिन दो अंशों को हमने देखा है, वे उनके क्षमाप्रार्थी मूल्य के कारण विशेष रूप से दिलचस्प हैं। अब, हमने पहली तिमाही में सैद्धांतिक रूप से इस पर चर्चा की। ये दो भविष्यवाणियाँ हैं जो भविष्यवाणी देने की तारीख के बारे में किसी भी संभावित प्रश्न के बहुत बाद के मामलों से संबंधित हैं। बाद का इतिहास दिखाता है कि वे कैसे पूरे हुए।

अगली बार हम पूर्वानुमानित भविष्यवाणी पर डी. को देखेंगे।

कैट स्टॉकवेल द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनः सुनाया गया